स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश

नगर की खबर
नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश
2023

स्वच्छता टाइम्स

अंक 7 दिनांक: 28 फरवरी 2023

राज्यपाल ने की सफाई मित्रों के प्रयासों की सराहना

लखनऊ। महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राज्य विधान मण्डल के एक साथ समवेत दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत अपने अभिभाषण में नगर विकास विभाग द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों का उल्लेख करने के साथ ही स्वच्छता कार्यों में लीन सफाई मित्रों के प्रयासों की सराहना की। यह उत्तर प्रदेश के सभी निकायों में कार्यरत सफाई मित्रों के लिए गौरव का विषय है। सफाई मित्रों के प्रयासों से ही उत्तर प्रदेश के नगरीय क्षेत्र में गुणात्मक परिवर्तन संभव हो सका है। विपरीत मौसमी परिस्थितियों के सामने सफाई मित्रों के अडिग इरादों से ही धरातल पर स्वच्छता सुनिश्चित हो सकी है। इसके अलावा महामहिम राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में शहरों को सुन्दर बनाने हेतु जनवरी, 2023 से 100 दिवसीय 'उत्तर प्रदेश व वैश्विक नगर' अभियान का जिक्र किया है। जिसके तहत नगरीय परिवेश को वैश्विक मापदंडों के अनुरूप बनाने का कार्य किया जा रहा है। तीर्थ नगरी प्रयाग में सफलतापूर्वक संपन्न माघ मेला विभाग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इस ऐतिहासिक मेले में लगभग तीन करोड़ 30 लाख श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

श्री ए0 के0 शर्मा
माननीय नगर विकास मंत्री

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नगर विकास विभाग नगरीय परिवेश में गुणात्मक बदलाव के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश के सभी निकायों द्वारा आमजन तक नगरीय सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। साफ-सफाई का कार्य भी प्रदेश में तेजी से किया जा रहा है। नगरीय सौंदर्य बदलाव का साक्षी बन रहा है। गंदगी से पटे रहने वाले स्थानों पर अब स्वच्छता की सुंगध आ रही है। ऐसे स्थानों को पार्क, सेल्फी प्वाइंट इत्यादि के रूप में विकसित कर आमजन के लिए उपयोगी बनाया गया है। कचरा निस्तारण के क्षेत्र में युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। 10तक डोर टू डोर अभियान कचरा निस्तारण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है। इस अभियान से आमजन अपने घरों में गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग एकत्र करने के प्रति जागरूक हो रहे हैं। कचरे के अलग-अलग एकत्रीकरण से ही जल्द कचरे का समुचित निस्तारण संभव हो रहा है। इसके अलावा प्रदेश भर में आमजन को होम कंपोस्टिंग के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

पर्यावरण की रक्षा के प्रति हर अधिकारी हो संवेदनशील : मुख्य सचिव

लखनऊ। सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध को प्रभावी बनाने के लिए नगर विकास विभाग द्वारा समय-समय पर निकाय स्तर पर अभियान चलाए जाते रहे हैं। इसी कड़ी में प्रदूषण का बड़ा कारण बनने वाले प्लास्टिक के न्यूनतम प्रयोग की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। प्रदेश के मुख्य सचिव श्री दुर्गाशंकर मिश्र की ओर से सभी विभागों को आदेश जारी किया गया है कि वे अपने स्तर से प्लास्टिक फाइल कवर का प्रयोग बंद करें। इसके अलावा अब कागज को बचाने की दिशा में भी कार्य करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए कागज में एक तरफ होने वाली प्रिंटिंग को रोकने का आदेश दिया गया है। मुख्य सचिव ने कागज के दोनों तरफ प्रिंट

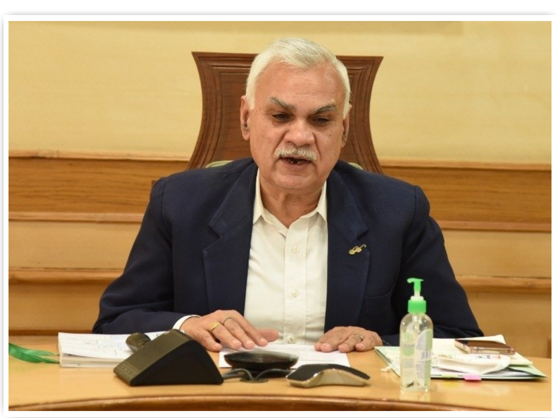

कराने के आदेश दिए हैं। कागज के लिए पेड़ों की होने वाली कटाई को रोकने में इससे मदद मिलने की बात कही जा रही है। मुख्य सचिव श्री दुर्गाशंकर मिश्र ने पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के प्रति हर अधिकारी को संवेदनशील बनने की बात कही। उन्होंने इसे अधिकारी की नैतिक और सरकार की जिम्मेदारी करार दिया है। मुख्य सचिव की ओर 27 फरवरी को जारी आदेश में कहा गया है कि सरकार के सभी अधिकारी और विभागों के अध्यक्ष अधिक से अधिक सॉफ्ट कॉपी का प्रयोग करें। हार्ड कॉपी यानी प्रिंटेड कॉपी का प्रयोग कम करें। मुख्य सचिव ने सभी फाइल्स ई-आफिस के माध्यम से ही भेजने का निर्देश दिया है। फिजिकल फाइल्स भेजने की आवश्यकता होने पर कागज के दोनों तरफ प्रिंट कराने का निर्देश दिया गया है। मुख्य सचिव ने बैठकों में पानी के लिए प्लास्टिक बोतल का उपयोग न करने के भी निर्देश दिए हैं। अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और विभागीय सचिवों को निर्देशों का पालन कराने को कहा गया है। गौरतलब है कि नगर विकास विभाग द्वारा प्लास्टिक प्रयोग के दुष्परिणामों के प्रति आमजन को पहले से ही सचेत किया जा रहा है। साथ ही प्लास्टिक बैग की जगह कपड़े का थैला इस्तेमाल करने के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में नगर विकास विभाग को मिला 2.08 लाख करोड़ का निवेश

उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में नगर विकास विभाग ने निवेश के अवसरों में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। विभाग ने 2.08 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुआ हैं। निवेशकों ने प्लास्टिक रीसाइकलिंग, वेस्ट टू एनर्जी, ई-वेस्ट प्रबंधन, एकीकृत पयविरण स्वच्छता सेवाएं, आवास एवं टाउनशिप प्रबंधन, ई-वेहिकल निर्माण, मलजल उपचार संयंत्र, स्मार्ट सिटी पार्किंग प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में निवेश में रुचि दिखाई है। नगर विकास विभाग में इस निवेश के माध्यम से प्रदेश के करीब 3 लाख युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा।

प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए0के0 शर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में देश-विदेश के निवेशकों, उद्योगपतियों, व्यापारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और 33.50 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने के प्रस्ताव मिले। इसमें नगरीय विकास, ऊर्जा एवं रिन्यूएबल एनर्जी में लगभग 10 लाख करोड़ रुपए का निवेश प्राप्त हुआ है जो प्रदेश को प्राप्त पूरे निवेश का लगभग एक तिहाई है। उन्होंने दोनों विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आये हुए निवेश को धरातल पर उतारने के लिए निवेशकों, उद्योगपतियों और उनके प्रतिनिधियों से मिलकर वार्ता करने हेतु दोनों विभागों में नोडल अधिकारी शीघ्र नामित किये जाएं जो कि निवेशकों से वार्ता कर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे और उनके प्रोजेक्ट कार्य को आगे बढ़ाने में सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने अधिकारियों को कहा है कि अलग-अलग श्रेणियों में निवेश करने वाले निवेशकों से सम्पर्क कर उनकी समस्याओं को सुनें, उनके सुझाव जानें साथ ही प्रदेश की निवेश नीति और सौर ऊर्जा नीति एवं बायो एनर्जी नीति के बारे में विस्तार से उन्हें बताया जाय।

नगर विकास मंत्री ने बताया कि विगत 03 महीनों के सार्थक

प्रयासों से तथा देश-विदेश के उद्योगपतियों से प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करने के परिणामस्वरूप नवीन ऊर्जा में 6.33 लाख करोड़ रुपये, ऊर्जा में 1.34 लाख करोड़ रुपये तथा नगरीय विकास में 2.08 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्राप्त हुए हैं। निवेशकों ने सौर ऊर्जा, बायो एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, थर्मल पावर, बिन्ड एनर्जी, वेस्ट मैनेजमेंट, सीवरेज ट्रीटमेंट आदि क्षेत्रों में निवेश में रुचि दिखायी है। उन्होंने कहा कि अब इन निवेश प्रस्तावों को धरातल पर शीघ्र उतारने के प्रयास किये जाएंगे, जिससे प्रदेश के साथ-साथ भारत को भी इसका लाभ मिल सके और मा0 मुख्यमंत्री जी के प्रदेश को 01 ट्रिलीयन डॉलर इकोनॉमी बनाने के संकल्प तथा मा0 प्रधानमंत्री जी के देश को 05 ट्रिलीयन डॉलर इकोनॉमी के विजन को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। श्री ए0के0 शर्मा ने कहा कि प्रदेश में निवेश के धरातल पर उतरने से यहां का इन्फ्रास्ट्रक्चर, जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। नवयुवकों को रोजगार मिलेंगे उन्हें बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। निवेश के धरातल पर उतरने से स्थानीय स्तर पर आवश्यक इन्फ्रास्ट्रक्चर सड़क, बिजली,स्वच्छ पानी, बेहतर वातावरण भी स्थानीय निवासियों को मिलेगा और लोगों को वहीं पर रोजगार और कार्य भी मिलेगा। इससे प्रदेश देश का ग्रोथ इंजन बनकर विकसित राज्य बनेगा।

श्री राकेश राठौर 'गुरु'
मानीनय नगर विकास राज्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं आदरणीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल मार्गदर्शन में नगर विकास विभाग नगरीय सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में तत्पर है। साफ-सफाई के साथ ही आमजन तक नगरीय सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न स्तरों पर मॉनिटरिंग भी की जा रही है। नगरीय परिवेश को वैश्विक मापदंडों के अनुरूप बनाने की दिशा में भी हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। नगरीय शोभा बदलते उत्तर प्रदेश की नई तस्वीर पेश कर रही है।

निवेशकों ने इन क्षेत्रों में दिखाई रुचि

- ई-वेस्ट प्रबंधन में 22 करोड़ रुपये
- आवास एवं टाउनशिप प्रबंधन में 42450 करोड़ रुपये
- मेडिकल मशीनरी में 225 करोड़ रुपये
- प्लास्टिक रीसाइकलिंग में 831.6 करोड़ रुपये
- रीयूज ऑफ ट्रीटेड वेस्ट वाटर में 4000 करोड़ रुपये
- स्क्रैप रीसाइकलिंग में 64.5 करोड़ रुपये
- स्मार्ट सिटी में 120894 करोड़ रुपये .
- वेस्ट मैनेजमेंट में 13747.27 करोड़ रुपये
- वेस्ट टू एनर्जी में 19936.42 करोड़ रुपये
- यूज्ड वाटर ट्रीटमेंट/एसटीपी में 4701.08 करोड़ रुपये
- अन्य में 1495 करोड़ रुपये

मिस्टर 'पीकू' से वसूला गया जुर्माना

थूकना मना है अभियान के तहत आगरा और लखनऊ में लगाया गया 2.50 लाख रुपये का जुर्माना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगरों को स्वच्छ एवं सुदंर बनाने के एक अनोखी पहल की गई है। प्रदेश में जी20 के तहत किए गए सौन्दर्यीकरण की निरन्तरता को बनाए रखने के लिए 23 फरवरी से एक मार्च तक 'थूकना मना है' अभियान की शुरुआत की गई है। स्वच्छ भारत मिशन नगरीय द्वारा संचालित इस अभियान के तहत नगर निगम आगरा और लखनऊ में किए गए सौंदर्यीकरण को खराब करने वालों से जुर्माना भी वसूला गया। खुले में थूकने वाले को मिस्टर या मिस पीकू का खिताब देकर जिम्मेदारी का एहसास भी कराया गया।

थूकना मना है अभियान के तहत नगर निगम आगरा कार्रवाई करते हुए करीब 65 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं, लखनऊ नगर निगम ने एक हजार से ज्यादा लोगों पर कार्रवाई करते हुए 1,87,720 रुपये का जुर्माना वसूला है।

लखनऊ के हुसड़िया चौराहे पर खुले में थूकने वाले दो व्यक्तियों राहुल और प्रदीप को मि. पीकू का खिताब भी दिया गया और उनसे 250-250 रुपये जुर्माना भी वसूल किया गया।

राज्य मिशन निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश श्रीमती नेहा शर्मा ने इस संबंध में आदेश जारी कर स्पष्ट किया है कि शहर की सुंदरता को खराब करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निदेशक ने बताया कि प्रदेश के नगरों को गुड टू ग्रेट बनाने का प्रयास निरंतर चल रहा है। इसी कड़ी में उन्हें वैश्विक मापदंडों पर भी श्रेष्ठ बनाने का संकल्प लिया गया है। इस उद्देश्य से नगर निगम लखनऊ और नगर निगम आगरा में जी20 का आयोजन किया गया, जिसके अन्तर्गत जी20 कॉरिडोर का निमर्ण और सौन्दर्यीकरण का कार्य किया गया था। अब उसकी निरन्तरता को बनाये रखना भी अति आवश्यक है। इसके लिए 'थूकना मना है' अभियान शुरु किया गया। अभियान का प्रमुख उद्देश्य जी20 के अन्तर्गत किये गये सौन्दर्यीकरण की निरन्तरता बनाये रखना है।

श्री अमृत अभिजात
प्रमुख सचिव नगर विकास

नगर विकास विभाग के सतत प्रयासों से उत्तर प्रदेश बदलाव का साक्षी बन रहा है। साफ-सफाई के साथ ही नगरीय परिवेश में भी बदलाव साफ देखा जा सकता है। 10तक डोर टू डोर अभियान से लोग अपने घरों में गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र करने लगे हैं जिससे कचरे के समुचित निस्तारण की दिशा में उत्तर प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले कचरे से सीमेंट, बिजली इत्यादि बनाने का कार्य भी किया जा रहा है।

श्रीमती नेहा शर्मा
निदेशक, स्थानीय निकाय

कचरे के समुचित निस्तारण के लिए शुरु किए गए 10तक डोर टू डोर अभियान के सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं। आमजन में जागरुकता आई है जिससे लोग अपने घरों में गीले और सूखे कूड़े को अलग-अलग इकट्ठा करने लगे हैं। सभी निकायों द्वारा डोर टू डोर वेस्ट कलेक्शन भी सुनिश्चित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश कचरे के समुचित निस्तारण की दिशा में देश में सबसे तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह सभी प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है।

एक मार्च से पार्कों में लगेगी योग की क्लास

नगर विकास एवं आवास व शहरी नियोजन के चिन्हित पार्कों में योगाभ्यास व आयुष चिकित्सा कार्यक्रम होगा आयोजित

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा एवं आयुष, खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' की उपस्थिति में नगर विकास और आयुष विभाग के बीच तथा आवास एवं शहरी नियोजन और आयुष विभाग के बीच 27 फरवरी को जल निगम के ट्रांजिट हास्टल 'संगम' में समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित हुआ। समझौता ज्ञापन में स्थानीय निकाय निदेशक श्रीमती नेहा शर्मा तथा आयुष के मिशन डायरेक्टर श्री महेन्द्र वर्मा और विशेष सचिव आवास एवं शहरी नियोजन श्री राकेश कुमार मिश्र तथा आयुष के मिशन डायरेक्टर श्री महेन्द्र वर्मा ने हस्ताक्षर किए और एक-दूसरे को इसका प्रस्ताव हस्तगत किया। इसमें प्रदेश में जनसामान्य तक आयुष पद्धतियों व स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने के लिए एवं नगरीय निकायों व आवास एवं शहरी नियोजन के स्वामित्व वाले चिन्हित पार्कों में एक मार्च से प्रतिदिन योग दिवस कार्यक्रम कराने के लिए तीनों विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। इस दौरान मंत्री श्री ए.के. शर्मा एवं डॉ. दयाशंकर 'दयालु' ने आयुष विभाग की ई-पत्रिका तथा आयुष आपकी रसोई में पुस्तिका का विमोचन, तथा यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में सराहनीय कार्य करने वाले चार अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया।

नगर विकास, आवास एवं शहरी नियोजन तथा आयुष विभाग के बीच एमओयू हस्ताक्षरित

इस अवसर पर माननीय मंत्री जी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के विजन 'सबको मिले असानी से चिकित्सकीय सेवाएं और इलनेश से वेलनेस की तरफ हमारी सोच बढ़े' तथा लोगों का जीवन स्तर में सुधार हो, इसके लिए नगर विकास विभाग के सभी अधिकारी, कर्मचारी आयुष विभाग द्वारा एक मार्च से नगरीय निकायों एवं आवास विकास व शहरी नियोजन के पार्कों में चलाये जा रहे योगा दिवस एवं आयुष पद्धति कार्यक्रम की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के लिए सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि नगरीय पार्कों एवं उद्यानों में ऐसे कार्यक्रम होने से पार्कों का सदुपयोग एवं संरक्षण होगा तथा पार्क साफ-सुथरे भी बने रहेंगे। ऐसे कार्यक्रमों से लोगों में सुबह की दिनचर्या में बदलाव आयेगा और उन्हें एक ही स्थान पर योग का प्रशिक्षण तथा आयुष चिकित्सा का लाभ मिलेगा।

45-45 मिनट के दो चरणों में लगेगी योग की क्लास

यह कार्यक्रम शहरों के चिन्हित पार्कों में प्रतिदिन 45-45 मिनट के दो चरणों में ग्रीष्म ऋतु में प्रातः 6:15 से 7:00 बजे एवं 7:15 से 8:00 बजे के बीच तथा शीतकाल में 7:15 से 8:00 बजे एवं 8:15 से 9:00 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। योग दिवस कार्यक्रम के दौरान ऐसे सभी पार्कों में आयुष, यूनानी और होम्योपैथी के चिकित्सकों की टीम भी लोगों का स्वास्थ्य चेकअप करने के पश्चात दवा देने के लिए उपलब्ध रहेगी। माननीय मंत्री जी ने पार्कों की साफ-सफाई, स्वच्छ शौचालय, स्वच्छ पानी की व्यवस्था के निर्देश दिए हैं।

जी-20 के लिए वाराणसी को संवारने में जुटें

नगर विकास मंत्री ने 17 अप्रैल को वाराणसी में होने वाली जी-20 की बैठकों की तैयारियों का भी जायजा लिया। उन्होंने नगर आयुक्त वाराणसी को निर्देश दिए कि शहर की हरियाली और खूबसूरती को बढ़ाएं। वाराणसी में वैश्विक स्तर का व्यवस्थापन करें। इसके लिए अभी से कमर कस लें। चिन्हित मार्गों पर बेहतर प्रबंधन हो। स्वच्छता का विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि लखनऊ और आगरा में हुई जी-20 की बैठको में आए प्रतिनिधियों ने वहां की साफ-सफाई, सुंदरता और व्यवस्थापन की बहुत तारीफ की है। ऐसा ही प्रयास वाराणसी के लिए भी किया जाए। उन्होंने सभी नगर आयुक्तों को भी निर्देश दिए हैं कि शहरों को ग्लोबल सिटीज बनाने के अभियान को युद्ध स्तर पर जारी रखें। योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए समयबद्ध रूप से तथा लक्ष्य के अनुरूप कार्य करें।

गाजियाबाद का पहला स्मार्ट कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन तैयार

गाजियाबाद। शहर के अकबरपुर बहरामपुर क्षेत्र में नगर निगम का स्मार्ट कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन तैयार है। मार्च के पहले हफ्ते में ये शुरू हो सकता है। इसके तहत नगर निगम की गाड़ियां घरों से अकबरपुर बहरामपुर स्टेशन तक कूड़ा लेकर आएंगी। यहां पर कूड़े को कंटेनर में डाला जाएगा और फिर उसको प्रोसेसिंग ग्राउंड तक पहुंचाया जाएगा। खुले में पड़ने वाले कूड़े को निस्तारित करने के लिए नगर निगम की एक टीम पिछले दिनों इंदौर गई थी। इस टीम ने इंदौर में कूड़ा निस्तारण की तकनीक देखी। वहां से स्मार्ट कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन का मॉडल निकलकर सामने आया। गाजियाबाद शहर से रोजाना 1200 से 1500 मीट्रिक टन कूड़ा निकलता है। घरों से सूखा और गीला कचरा अलग अलग एकत्र करने के बाद गाड़ियां से ये कचरा स्मार्ट कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन पर पहुंचेगा। स्टेशन पर मशीनों के जरिये कूड़े को दबाकर कॉम्पेक्ट किया जाएगा। फिर इसको स्टेशन पर रखे गए कैप्सूलनुमा बंद कंटेनरों में भरकर प्रोसेसिंग ग्राउंड पर पहुंचाया जाएगा। इन कंटेनरों की क्षमता 150 से 200 टन प्रतिदिन कूड़ा भंडारित करने की है। ये ट्रांसफर स्टेशन इस प्रकार के होंगे कि सामने खड़े होने पर भी आपको कूड़ा दिखाई नहीं देगा।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 G20

नगर की खबर

गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग एकत्र न करने वाले हो जाएं सावधान

अब कचरा अलग-अलग एकत्र न करने पर होगा जुर्माना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को स्वच्छ बनाने के लिए योगी सरकार मिशन मोड में जुटी हुई है। प्रदेश के नागरिकों को जागरूक करने के लिए कई अभियान भी चलाए जा रहे हैं। लोगों से स्वच्छता के प्रति सजग रहने को लेकर प्रार्थना भी की गई है और अब सख्ती भी बरती जाएगी। प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में अब कूड़े का पृथक्कीकरण न करने वालों के ख़िलाफ कार्रवाई की जाएगी। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश के '10तक डोर टू डोर' अभियान के अन्तर्गत आगामी चार मार्च से जुर्माना वसूला जाएगा। इसमें 50 रुपये से लेकर 2000 रुपये तक का जुर्माना लिए जाने की व्यवस्था की जाएगी।

राज्य मिशन निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) श्रीमती नेहा शर्मा ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश द्वारा बीती एक फरवरी से प्रदेश

भर में 100 प्रतिशत डोर-टू-डोर कलेक्शन और कूड़ा पृथक्कीकरण सुनिश्चित करने के लिए '10तक डोर टू डोर' अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान के तीन चरण हैं। पहला चरण प्रार्थना, दूसरा सहमत था। दूसरा चरण आगामी तीन मार्च को पूरा होने जा रहा है। तीसरे और अन्तिम चरण में चार मार्च से कूड़ा का पृथक्कीकरण न करने वालों के ख़िलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। बताया कि सक्षम अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया है गया कि चार मार्च से 31 मार्च 2023 तक सुनियोजित तरीके से प्रतिदिन नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत के प्रत्येक वार्ड में हाउसहोल्ड का निरीक्षण कर सोर्स सेगीग्रेशन का अनुपालन न करने वालों पर कार्रवाई (चालान) सुनिश्चित करें।

डोर टू डोर सेवाएं प्राप्त न होने पर डायल करें 1533

निदेशक श्रीमती नेहा शर्मा ने बताया कि आम जनमानस भी डोर टू डोर की सेवाएं न प्राप्त होने की दशा में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इस परिस्थिति में स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) की हेल्पलाइन 1533 पर शिकायत कराई जा सकती है। अधिकारियों को इस हेल्पलाइन सेवा का व्यापक प्रचार प्रसार करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

गोमती तट पर सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

लखनऊ। नगर आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह जी के प्रयासों से नगर निगम लखनऊ शहर में साफ-सफाई व्यवस्था बरकरार रखने के लिए युद्ध स्तर पर कार्यरत है। निरंतर साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम द्वारा आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरुक बनाने हेतु समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी कड़ी में 26 फरवरी को एक समाजसेवी संस्था के साथ सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में सैकड़ों लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत झूलेलाल वाटिका के गोमती तट पर संत निरंकारी ग्रुप के ढाई से तीन सौ लोगों द्वारा नगर निगम के परस्पर सहयोग से वृहद स्तर पर सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें लगभग तीन ट्रॉली कूड़ा (गीला व सूखा पृथककर) एकत्रित करके नगर निगम को सौंपा गया। यह अभियान नगर में स्वच्छता को बरकरार रखने एवं लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करने के लिए आयोजित किया गया। इस अभियान में नगर निगम से नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एसके रावत, ज़ोन तीन के कर्मचारी एवं संबंधित संस्था के ढाई से तीन सौ लोग शामिल रहे।

नगर की खबर

कूड़े का पहाड़ खत्म कर लगाए 10 हजार पौधे

गाजियाबाद नगर निगम डेढ़ लाख मीट्रिक टन कचरा प्रोसेस कर विकसित कर रहा जंगल

गाजियाबाद। कचरा निस्तारण की दिशा में नगर निगम गाजियाबाद द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। नगर निगम ने इंदिरापुरम में डेढ़ लाख मैट्रिक टन कचरे को प्रोसेस कर 8 एकड़ भूमि को कचरा मुक्त करते हुए मिट्टी डालकर समतल किया गया है। यहां खाली हुई भूमि पर नगर निगम मियावकी तकनीक से जंगल विकसित करेगा। करीब 50 प्रजातियों के 50 हजार से अधिक पौधे लगाए जाएंगे, जिसमें पॉडमैन कहे जाने वाले रामवीर तंवर की संस्था सहयोग करेगी। उक्त स्थान पर अभियान चलाकर मियावकी तकनीक से 10 हजार पौधे लगाए भी जा चुके हैं।

नगर आयुक्त के मुताबिक जहां कई वर्षों के कूड़े के पहाड़ थे, उस स्थान पर लगभग 50 प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। जिसके लिए गाजियाबाद नगर निगम ने भारी मात्रा में कूड़े का निस्तारण कराया है। अभी तक 10 हजार से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। डमैन रामवीर तंवर ने बताया कि इंदिरापुरम लैंडफिल साइट आने वाले दो सालों में जंगल के रूप में नजर आएगा। मियावकी तकनीक से जंगल विकसित होने के बाद इलाके के प्रदूषण स्तर में भी भारी गिरावट आने की उम्मीद हैं।

50 प्रजातियों के 50 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य

झांसी नगर निगम ने पेश की अनूठी नजीर

गोबर के लट्ठे शवदाह एवं अलाव आदि में आ रहे काम

झांसी। बुंदेलखंड के झांसी जिले द्वारा किया गया एक काम अब पूरे प्रदेश के लिए नजीर बन चुका है। झांसी नगर निगम द्वारा गोबर के लट्ठे बनाने की शुरुआत की गई। तीन महीने पहले नगर निगम द्वारा हंसारी स्थित कान्हा उपवन गौशाला में एकत्रित होने वाले गोबर से गोबर के लट्ठे बनाने का काम शुरू किया गया था। इन लट्ठों का इस्तेमाल श्मशान घाट में शवदाह के लिए किया जा रहा है। इसके साथ ही सर्दियों के मौसम में शहर क्षेत्र में विभिन्न जगहों पर अलाव जलाने के लिए भी इन लट्ठों का इस्तेमाल किया गया।

झांसी नगर निगम द्वारा किए गए इस प्रयोग को अब पूरे उत्तर प्रदेश के सभी नगर निकायों में अमल में लाया जाएगा। नगर विकास मंत्रालय के सचिव द्वारा सभी नगर निकायों को अपनी गौशालाओं में एकत्रित होने वाले गोबर से लट्ठे बनाने का काम शुरू करने के लिए कहा गया है। झांसी में इस काम की शुरुआत करने वाले नगर पशु अधिकारी डॉ. राघवेंद्र ने बताया कि वर्तमान में एक मशीन काम कर रही है। इस मशीन से अभी तक 200 क्विंटल से अधिक गोबर के लट्ठे बनाए जा चुके हैं। इन लट्ठों से जहां एक तरफ एकत्रित हो रहे गोबर का बेहतर इस्तेमाल होगा तो वहीं दूसरी तरफ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही लट्ठों की बिक्री से जो आमदनी होगी उसका इस्तेमाल गायों के रख रखाव के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

घर से निकलने वाले कचरे से बनेगा कोयला

वाराणसी में देश के पहले प्लांट का ट्रायल शुरू

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी देश को कचरे से कोयला बनाने की तकनीक को सिखाएगा। इसके लिए वाराणसी में देश का पहला ऐसा प्लांट लगा है, जहां कचरे से कोयला बनाया जाएगा। एनटीपीसी ने इस प्लांट को लगाया है और यूपी की योगी सरकार ने इसके लिए फ्री में 16 एकड़ जमीन उबलब्ध कराई है। वाराणसी में लगे इस प्लांट में कचरें से कोयले बनाने का सफल ट्रायल भी हो चुका है। जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी सौगात देश को देंगे। इस प्लांट में 200 टन कचरे से 70 टन कोयला बनाया गया है। जिसे लैब टेस्ट के लिए भेजा गया है। बताते चलें कि 200 करोड़ की लागत से इसे बनाया गया है। इस प्लांट से हर दिन 200 टन कोयले का उत्पादन किया जा सकता है।

नहीं आएगी दुर्गंध

खास बात यह है कि ये प्लांट इतना हाईटेक है कि इससे कूड़े की दुर्गंध नहीं आएगी। इसके अलावा किसी भी तरह का विषैली गैस भी नहीं निकलेगी जिससे स्थानीय लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े। इसके अलावा इस प्लांट से सीधे तौर पर 100 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा।

आमजन को अलग-अलग कचरा एकत्र करने के प्रति किया गया जागरूक

नगर पालिका परिषद मऊ

नगर पालिका परिषद खलीलाबाद

नगर पालिका परिषद बिजनौर

नगर निगम झांसी

प्रशिक्षण

नगरीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा इंटीग्रेटिड कैपिसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम (अमृत) के अन्तर्गत तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ऑल इंडिया इस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्नमेंट (एआईआईएलएसजी) नई दिल्ली के पार्टनरशिप में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश पालिका राजस्व सेवा के राजस्व निरीक्षकों को 22 से 24 फरवरी के बीच प्रशिक्षित किया गया।

स्वच्छ भारत मिशन - नगरीय द्वारा नगरीय निकाय निदेशालय के सभागार में वेट वेस्ट निस्तारण हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला 27 फरवरी से 01 मार्च के बीच आयोजित की गई। यहां, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इम्पैनल संस्था इंडियन ग्रीन इंडिया के विशेषज्ञ टीम के द्वारा विभिन्न नगरीय निकायों से आए प्रतिभागियों को वेट वेस्ट के निस्तारण के संबंध में प्रशिक्षित किया गया।

अखबारों की नजर से

स्वच्छता सबकी जिम्मेदारी, कचरा पर्यावरण पर न पड़ने पाए भारी

जल्द काशी के घरों को रोशन करेगा कचरा

उपलब्धि

जी-20 सम्मेलन के पहले वाराणसी को मिली एक नई उपलब्धि

डबल इंजन सरकार की कचरे से कोयला बनाने की योजना ने पास किया डबल परीक्षण

काशी के घरों से निकलने वाले कूड़े का निस्तारण अब समस्या नहीं

वाराणसी (एसएनबी)। जी-20 सम्मेलन के पहले वाराणसी को एक नई उपलब्धि मिली है। लगातार 72 घंटे के परीक्षण में हरित कोयला योजना पास हो गया है। ये अपनी तरह का कचरे से कोयला बनाने वाला विश्व का पहला प्लांट होगा। 200 करोड़ के इस प्रोजेक्ट को वाराणसी हरित कोयला परियोजना के नाम से एनटीपीसी लगा रहा है। योगी सरकार ने इस परियोजना के लिए निःशुल्क जमीन उपलब्ध कराई है। नवंबर 2023 में शुरू होने वाला प्लांट, 200 टन प्रतिदिन कोयला उत्पादन करेगा। अत्याधुनिक प्लांट प्रदूषण व दुर्गंध फैलाए बिना कोयला बनाएगा। ये परियोजना रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध कराएगा।

प्लांट ने पास किया डबल परीक्षण : डबल इंजन की सरकार की कचरे से कोयला बनाने के प्लांट ने डबल परीक्षण पास कर लिया है। काशी के घरों से निकलने वाले कूड़े का निस्तारण अब समस्या नहीं रह गया है, बल्कि इस कचरे से अब बिजली बनाई जाएगी। नगर निगम के इलेक्ट्रिकल व मैकेनिकल विभाग के अधिशासी अभियंता अजय कुमार राम ने बताया कि चार से सात फरवरी तक इस प्लांट का ट्रायल रन हुआ है। परीक्षण में 200 टन कूड़े से 72 घंटे में 70 टन कोयले बनाने में सफलता मिली है। तकनीक के सफल परीक्षण के बाद प्लांट से निकले चारकोल को लैब में परीक्षण के लिए भेजा जा रहा है। लैब टेस्ट की रिपोर्ट आने के बाद जल्दी ही प्लांट प्रारम्भ होगा।

प्लांट से नहीं फैलेगी दुर्गंध, ना निकलेगी कोई विषैली गैस : अधिशासी अभियंता ने बताया कि वाराणसी के रमना में 16 एकड़ में प्लांट का निर्माण हुआ है, जिसकी लागत लगभग 200 करोड़ है। आधुनिक तरीके से बने प्लांट से कूड़ा की दुर्गंध नहीं आएगी व किसी भी प्रकार की विषैली गैस नहीं निकलेगी।

वाराणसी म्यूनिस्पल कॉर्पोरेशन, एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड को सॉलिड वेस्ट उपलब्ध कराएगा, जिससे कोयला बनेगा। प्रतिदिन करीब 600 टन सॉलिड वेस्ट से 200 टन कोयला का उत्पादन होगा। इस प्रोजेक्ट में कुल तीन यूनिट होगी। इसमें एक यूनिट स्टैंडबाई में रहेगा। इस प्लांट के शुरू होने से परोक्ष रूप से लगभग 50 लोगों को रोजगार, जबकि अपरोक्ष रूप से भी बहुत से लोगों को रोजगार के साधन उपलब्ध होंगे। अक्तूबर में प्लांट के पहले परीक्षण में लगभग छह टन कचरे से तीन टन कोयला बना था। प्लांट को डिजाइन करने और इसे बनाने वाली कंपनी के अधिकारी ने बताया कि प्लांट के दूसरे परीक्षण में 50 कर्मचारी दिन रात लगे थे। अब जल्दी ही इस प्लांट से बनने वाले कोयले से घरों में बिजली आएगी।

{ FINE CAMPAIGN } PILOT PROJECT STARTS IN LKO, AGRA

No more spit-and-run, offenders to get 'Piku' tag

Campaign banning spitting in public kicked off on Thursday. DEEPAK GUPTA/HT

HT Correspondent

letters@hindustantimes.com

LUCKNOW: The state government on Thursday kicked off a campaign banning spitting in public places across Uttar Pradesh wherein a fine will be imposed on offenders.

The pilot project starts in Agra and Lucknow, which hosted G20 meets earlier this month. Those caught spitting in public in these two cities will earn the label 'Piku'.

The pilot project is aimed at preserving beautification the work done for G20 events in Agra and Lucknow. A fine up to Rs 250 will be imposed on people found spitting, urinating or defecating in the open.

"People who spit at public places in Lucknow and Agra will be given the title of Mr, Ms, or Mrs Piku," said Neha Sharma, state mission director, Swachh Bharat Mission (Urban), U.P.

The campaign will run till March 1. The G20 meetings were organised in Lucknow and Agra in the second week of February. A G20 corridor was constructed and beautified on the occasion.

The order from Swachh Bharat Mission (Urban), U.P, said action will be taken against those who spoil the beauty of the city and challan will be deducted on the spot during this campaign.

"The campaign's primary goal is to maintain continuity of the

continued on →10

→See also page 2

एक महीने में प्लास्टिक कचरे से बनने लगेगा बायोडीजल

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। एक महीने में प्लास्टिक कचरे से बायो डीजल का उत्पादन शुरू हो जाएगा। यह दावा बुधवार को नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन ने जिलाधिकारी विशाख जी के साथ इस प्लांट का निरीक्षण करने के बाद किया। बताया कि इस प्लांट का ट्रायल शुरू हो गया है। श्री रत्न शुक्ल इंटर कालेज तालाब के सुंदरीकरण कार्य, पौधरोपण का भी जायजा लिया।

डीएम ने पनकी स्थित कूड़ा निस्तारण प्लांट में प्लास्टिक कचरे से बायो डीजल बनाने वाले प्लांट के निरीक्षण के दौरान इसके नगर निगम के अधिशासी अभियंता (प्रोजेक्ट) आरके सिंह से इस प्लांट में उत्पादन शुरू होने से पहले बिजली फिटिंग की जांच विद्युत सुरक्षा विभाग से कराने, अग्निशमन विभाग से एनओसी लेने के निर्देश दिए। कूड़ा निस्तारण प्लांट के डंपिंग यार्ड में रखे अनुपयोगी वाहनों की नियमानुसार नीलामी कराने को कहा।

डीएम, नगर आयुक्त ने किया पनकी स्थित प्लांट का निरीक्षण

इसके बाद डीएम ने जूही स्थित श्री रत्न शुक्ल इंटर कालेज परिसर के तालाब के सुंदरीकरण कार्य और उसके आसपास मियावाकी पद्धति से लगाए गए पौधों की स्थिति देखी। उन्होंने अधिशासी अभियंता (प्रोजेक्ट) को तालाब के चारों तरफ लाइटें लगवाने, तालाब की चहारदीवारी से सड़क तक मार्ग प्रकाश की व्यवस्था करने, लोगों के बैठने की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। चहारदीवारी में विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट विभाग के छात्र-छात्राओं से आकर्षक पेंटिंग कराने के लिए कहा। नगर निगम के जोनल स्वच्छता अधिकारी से तालाब के चारों तरफ बाहरी क्षेत्र में अभियान चलाकर सफाई कराने को कहा। तालाब के आसपास कराए गए पौधरोपण को देखते समय लोगों की सुविधा के लिए चारों तरफ और बीच में मिट्टी से पाथवे बनाने के निर्देश दिए।

गीले कचरे से स्वयं खाद्य बनाने पर जोर

झांसी। नगर निगम द्वारा नगर आयुक्त पुलकित गर्ग के निर्देशन में चलाये जा रहे दस्तक अभियान के अंतर्गत आज सीपरी बाजार, नंदन पुरा, प्रेम नगर समेत लगभग 20 वार्डों की गृहणियों और अन्य लोगों ने ड्रीम इंडिया स्कूल में आयोजित वार्ड सेमिनार में प्रतिभाग किया। जिसमें स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर आचार्य पं हरिओम पाठक, मुख्य सफाई निरीक्षक अभिलाष रायकवार, सफाई निरीक्षक मनोज श्रीवास्तव, आईईसी एक्सपर्ट डा. जितेन्द्र कुमार तिवारी, प्रबंधक अनिरुद्ध शर्मा ने दस्तक अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सूखे गीले कचरे को अलग-अलग करके डोर-टू-डोर एजेंसी को देने के लिए प्रेरित किया। साथ ही बल्क जनरेटरों से गीले कचरे की खाद्य स्वयं बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम उपरांत प्रतीकात्मक रूप में 120 लोगों को डस्टबिन भी भेंट की गई, ताकि वह अपने क्षेत्रों में अन्य नागरिकों को इसके लिए जागरूक कर सकें। जिसमें स्वच्छता के प्रति जागरूक और सजग गृहणियों को घर पर ही कचरा प्रबंधन के तरीके बताए गए जिसमें कहा गया कि हम बहुत अधिक कचरा पैदा कर रहा है। ऐसे कचरे के उत्पादन को कम करने का सबसे अच्छा तरीका घर पर कचरा प्रबंधन है। आप अपने घर को पर्यावरण के अनुकूल बनाकर शुरू कर सकते हैं। घर में छोटे-छोटे बदलाव कर सकते हैं, जिसका बड़ा असर हो सकता है। इस मौके पर निशी शुक्ला, रश्मि गुप्ता, ऊषा गौतम, निशा पांडेय, स्मृति भदौरिया, कीर्ति पांडेय, शालिनी सक्सेना, नीतू राठौर, बृजेश राजे परमार आदि उपस्थित रहे। संचालन वी. के. पांडेय व आभार व्यक्त प्रधानाचार्या श्रीमती प्रिया शर्मा किया।

अब कूड़े से बनेगी जैविक खाद, गंदगी होगी साफ

गुरसहायगंज, कन्नौज

ग्राम ऊंचा में तैयार हो रहा कूड़ा प्रबंधन केंद्र। अमृत विचार

अमृत विचार। शासन के निर्देश पर ठोस कूड़ा एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना के तहत चिन्हित ग्राम पंचायतों में कूड़ा प्रबंधन केंद्र का निर्माण कराया जा रहा है। इससे गांव को गंदगी मुक्त किया जा सके और कूड़े को खाद में तब्दील कर दिया जाए। यह स्थानीय व क्षेत्रीय किसानों के काम आए और रासायनिक खाद के प्रयोग से नष्ट हो रही भूमि की उर्वरा शक्ति को वापस पाया जा सके। इसके लिए युद्ध स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। कई ग्राम पंचायतों में इसका संचालन शुरू हो गया है। कई में कूड़ा निस्तारण केंद्र का निर्माण हो रहा है। फिलहाल इसे एक बेहतर पहल माना जा रहा है। जमीन पर यह कितना कारगर साबित होता है। यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

ब्लॉक तालग्राम की ग्राम पंचायत ऊंचा में गुरसहायगंज अमोलर मार्ग पर कूड़ा प्रबंधन केंद्र का निर्माण कराया जा रहा है। सचिव युवराज सिंह ने बताया कि इसका निर्माण 150 वर्ग फिट क्षेत्र में कराया जा रहा है। अनुमानित लागत 09 लाख 98 हजार रुपये है। क्षमता लगभग एक टन से अधिक होगी। निर्माण कार्य पूर्ण है। एक सप्ताह में इसका संचालन शुरू करा दिया जाएगा। इसके भीतर अलग-अलग सेक्शन का निर्माण कराया गया है। गीला कूड़ा, सूखा कूड़ा व हरे कूड़े को अलग-अलग रखा जाएगा। इसके बाद अलग-अलग कूड़े से वर्मी कंपोस्ट सहित हरे पत्तों से जैविक खाद बनाने का कार्य किया जाएगा। ग्राम ऊंचा सहित बनियानी, कुढरीपुर्वा, पल्टेपुर्वा से कूड़ा एकत्र कर सेंटर पर लाया जाएगा। इसके तहत ग्राम पंचायतों से निकलने वाले कचरे के लिए वर्मी कंपोस्ट पिट, सोक पिट बनाई जाएंगी। इसके बाद ग्राम पंचायतों से निकलने वाले सूखे और गीले कचरे को अलग कर जैविक खाद तैयार की जाएगी। इससे ग्राम पंचायतों की आमदनी भी बढ़ेगी। इसके साथ ही ग्राम पंचायतें पूरी तरह से साफ सुथरी भी रहेंगी। ग्राम प्रधान अनिल ने बताया कि इसके निर्माण से जहां गांवों में लगे कूड़े व गंदगी के ढेरों से लोगों को निजात मिलेगी। तो वहीं स्थानीय व क्षेत्रीय किसानों को जैविक खाद का लाभ भी मिलेगा। कूड़ा गाड़ी गांव-गांव जाकर प्रतिदिन कूड़े का संकलन कर सेंटर पहुंचाएगी।

नगर निगम के प्रवर्तन दल ने 1830 किलो पकड़ी पॉलिथिन

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

नगर निगम के प्रवर्तन दल ने शहर के कई स्थानों पर छापा मारकर 1830 किलो प्रतिबंधित पॉलीथिन पकड़ी। पकड़ी गयी पॉलीथिन के एवज में एक लाख रुपये जुर्माना वसूला गया। बरामद पॉलीथिन नष्ट करने के लिये सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट में भेज दी गयी है।

प्रवर्तन दल के प्रभारी कर्नल आलोक नारायन ने बताया कि सोमवार की रात में कारगिल पेट्रोल पम्प के सामने एक डीसीएम ट्रक को पकड़ा, जिसमें 1330 किलो प्रतिबंधित पॉलीथिन बरामद की गयी। यह माल पनकी से गोंडा ले जाया जा रहा था। प्रवर्तन दल ने दूसरा छापा आईओसी चौराहे पर एक लोडर को पकड़ा। इसमें 500 किलो प्रतिबंधित पॉलीथिन बरामद हुआ। प्लास्टिक कैरीबैग दादा नगर से रनियां ले जाया जा रहा था। दोनों वाहनों को रात में नगर निगम मुख्यालय में लाया गया। यहां से पकड़े गये

बरामद पॉलिथिन के साथ परिवर्तन दल के कर्मचारी। फोटो : एसएनबी

प्रतिबंधित पॉलीथिन को कॉम्पैक्टर में गाड़ी लदवाकर सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट में भेजा गया। छापा मारने वाले प्रवर्तन दल में सूबेदार अवधेश सिंह, लक्ष्मण सिंह, वीरेन्द्र स्वरूप, रामेन्द्र सिंह, धनंजय सिंह, जितेन्द्र सिंह, राम नरेश आदि थे।

स्वच्छ प्रयास

G20 भारत 2023 INDIA | स्वच्छ त्यौहार 2022 एक ओर कदम स्वच्छता की ओर #SayNoToPlastic | स्वच्छ माघ मेला स्वच्छता परमो धर्मः | 75 जनपद 75 घंटे 750 निकाय

ZERO WASTE EVENT | प्रतिबद्ध 75 जनपद 75 घंटे 750 निकाय #GVPFREE | swachh विरासत स्वच्छता परमो धर्मः | Swachh Dhaba स्वच्छ श्रेष्ठम्